पाठ-3 हिमालय की बेटियाँ

कठिन शब्द

1. श्रद्धा
2. उल्लास
3. ब्रह्मपुत्र
4. आकर्षक
5. उपत्यकाएँ
6. शैलम
7. वेत्रवती
8. प्रेयसी
9. तिब्बत
10. प्रगतिशील

पाठ 3

शब्दार्थ

1 संभ्रात - सभ्य

2 दुबली - कमजोर

3 विशाल - बड़ा

4 कौतूहल - जिज्ञासा

5 बाललीला - बचपन

6 उल्लास - जोश

7 प्रेयसी - प्रेमिका

8 नतीजा - परिणाम

9 तबियत - स्वास्थ्य

10 अचरज - हैरानी

11 बलिहारी - न्यौछावर

12 पट - पर्दा

पाठ-3 हिमालय की बेटियाँ

प्रश्न अभ्यास (लेख से)

प्र०1 नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफ़ी पुरानी है लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

उत्तर नदियों को मानने की परंपरा भारतीय संस्कृति में अत्यन्त पुरानी है। नदियों को माँ का स्वरूप तो माना ही गया है। लेकिन लेखक नागार्जुन ने उन्हें बेटियों, प्रेयसी व बहन के रूपों में भी देखते हैं।

प्र०2 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

उत्तर सिंधु और ब्रह्मपुत्र की दो नदियाँ हैं जिन्हें ऐतिहासिकता के आधार पर पुल्लिंग रूप में नद भी माना गया है। इन्हीं दो नदियों में सारी नदियों का संगम भी होता है। प्राकृतिक और भौगोलिक दृष्टि से भी इसकी महत्ता है। कहा जाता है कि ये दो ऐसी नदियाँ हैं जो दयालु हिमालय की पिघले हुए दिल की एक-एक बूँद से निर्मित हुई हैं। इनका रूप विशाल और विराट है। इनका रूप इतना लुभावना है कि सौभाग्यशाली समुद्र भी पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ थामने पर गर्व महसूस करता है।

प्र०3 काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर नदियाँ युगों-युगों से मानव जीवन के लिए कल्याणकारी रही हैं ये युगों से एक माँ की तरह हमारा भरण पोषण करती हैं इनका जल भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में विशेष भूमिका निभाता है। इसलिए नदियाँ माता के समान पवित्र एवं कल्याणकारी हैं। मानव नदी को दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ता परन्तु इसके बावजूद भी अपार दुःख सहकर भी इस प्रकार का कल्याण केवल माता ही कर सकती है। अतः काका कालेलकर ने नदियों की माँ समान विशेषताओं के कारण उन्हें लोकमाता का दर्जा दिया है।

प्रश्न हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है?

उत्तर हिमालय की यात्रा में लेखक ने हिमालय की अनुपम छटा की, नदियों की अठखेलियों की, बर्फ से ढकी पहाड़ियों की, पेड़-पौधों से भरी घाटियों की, देवदार चीड़, सरो, चिनार, सफेदा, कैल से भरे जंगलों की प्रशंसा की है।

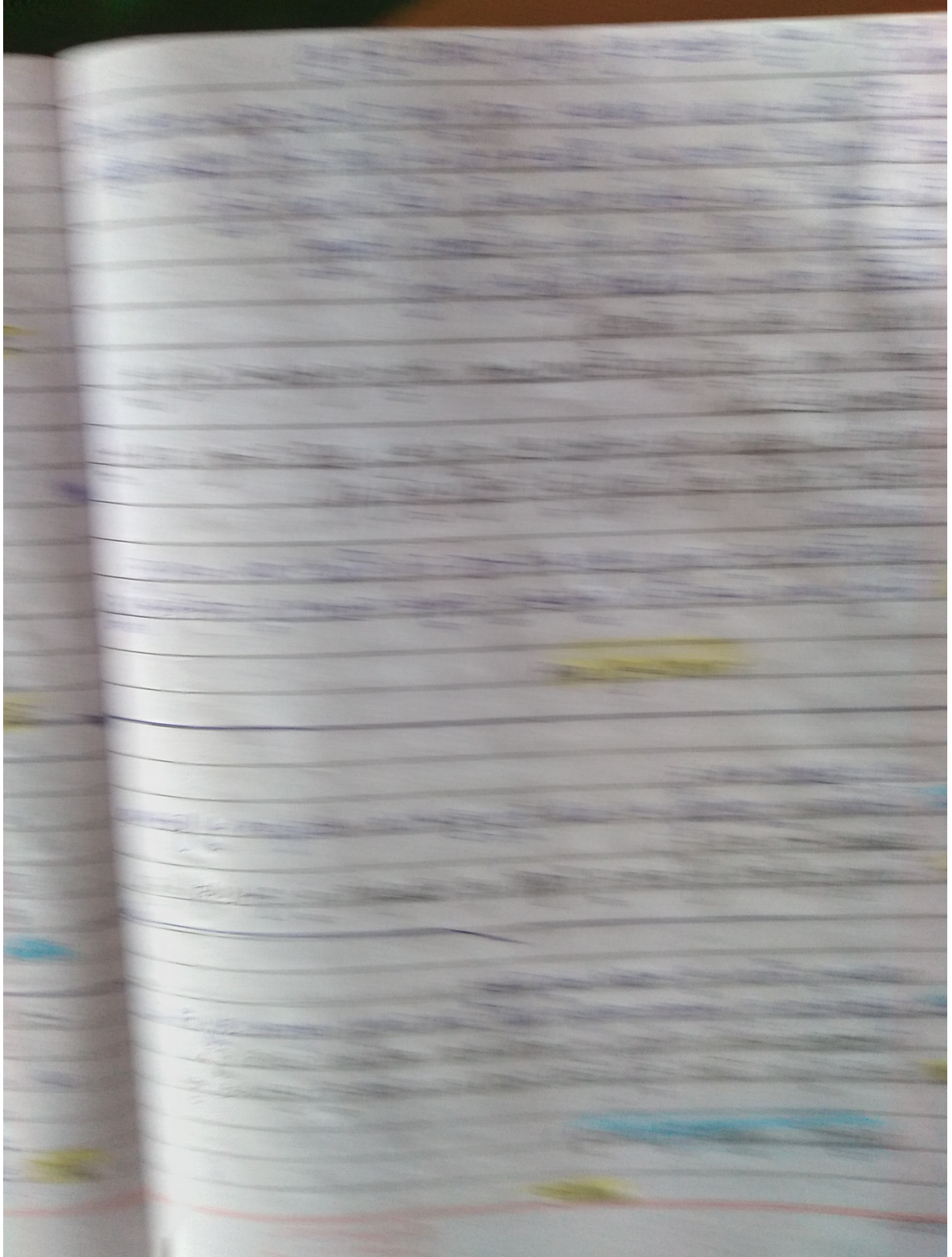

प्र०2 निर्जीव वस्तुओं को मानव संबंधी नाम देने से निर्जीव वस्तुएँ भी मानो जीवित हो उठती है। लेखक ने इस पाठ में कई स्थानों पर ऐसे प्रयोग किए हैं जैसे -

क) परंतु इस बार जब मैं हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो वे कुछ और रूप में सामने थी।

ख)

उत्तर 1 नदियाँ संभ्रांत ~~की~~ महिला की भाँति प्रतीत होती थी।
2 हिमालय की गोद में बच्चियाँ बनकर ये कैसे खेल करती थी।
3 हिमालय को ससुर और समुद्र को दामाद कहने में कुछ झिझक नहीं होती थी।
4 बूढ़ा हिमालय अपनी इन बेटियों के लिए कितना सिर धुनता होगा।

प्र०3 पिछली कक्षा में आप विशेषण और उसके भेदों से परिचय प्राप्त कर चुके हैं।
नीचे दिए गए विशेषण और विशेष्य संज्ञा का मिलान कीजिए।

विशेषण	विशेष्य
संभ्रांत	वर्षा
चंचल	जंगल
समतल	महिला
घना	नदियाँ
मूसलाधार	आँगन

प्र०4 द्वन्द समास के दोनो पद प्रधान होते हैं इस समास में औरश का लोप हो जाता है राजा - रानी द्वन्द समास है जिसका अर्थ है राजा और रानी ऐसे शब्द लिखिए -
1 छोटी - बड़ी
2 दुबली - पतली
3 आव - भंगी
4 माँ - बाप

प्र॰ ... के वाक्य लिखिए

उत्तर [illegible] के प्रयोग ...

वे शायद ही ... हो

उन्होंने शायद ही ...

मैं अस्वस्थ हूँ

मेरे ध्यान में शायद ही ...

ख्याल आए।